निर्मल भारत ग्राम पंचायत सराहन मे सफलता की कहानी :–

हिमालय के आंचल मे हिंमअछादित पर्वत श्रंखलांओं से घीरी हुई माता भीमा काली की पवित्र स्थली ग्राम पंचायत सराहन शिमला जिला के तैहसील मुख्यालय रामपुर से 45 कि0मी0 दूरी पर है । प्रचीन समय मे बाणासूर की राजधानी रही इस नगरी ने कई तरह से इतिहास को बनते व बदलते देखा है।

राक्षस राज बाणसुर को पराजित करने के पश्चात यहां स्थापित भगवान श्रीकृष्ण के प्रपौत्र प्रदयुमन की हजार वंशावली मे वर्तमान मे प्रदेश सरकार मे मुख्यमंत्री के पद पर सुशोभित श्री वीरभद्र जी का जन्म इसी सराहन नगरी मे ही 23 जून 1934 को हुआ। प्राकृतिक छटा से सराबोर यह क्षेत्र हमेशा ही सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। मूलतः ग्रामीण पृष्ठ भूमि के परिवेश वाली इस पंचायत के अधिकांश लोग कृषि व बागवानी सम्बन्धी प्राथमिक व्यवसाय करते है। सेब बहुल इलाका होन व क्षेत्र मे बारह मासी पक्की सडके होने के कारण लोगों की आर्थिकी मे निरन्तर सुधार हुआ है। ग्रामीण परिवेश मे स्वच्छता के प्रति लोगो को जागरूक करना पंचायत के लिए हमेशा चुनौती रही है। इसी कड़ी मे ग्रामीण विकास विभाग एंव पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आरम्भ किए निर्मल भारत अभियान का मुख्य उदेश्य स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति ग्रामीण जनता को संवेदन शील बनाना है। हर ग्रामीण जब तक जीवन मे स्वछता के महत्व को न समझे तब तक अभियान की सफलता संदिग्द रहती है।

(पंचायत परिसर ग्राम पंवायत सराहन)

ग्राम पंचायत सराहन मे इसी उदेश्य को मध्यनज़र रखते हुए विभिन्न पंचायत व ग्राम सभा की बैठकों मे स्वच्छता व स्वास्थ्य के महत्व को ग्रामीण जनता को बखूबी समझाया गया है। पंचायत द्वारा जो कार्यक्रम व गतिविधियां उदेश्य पूर्ति के लिए चलाए गए उसका व्यौरा निम्न है :–

व्यक्तिगत शैचालय :– हर घर मे शौचालय होने से स्वच्छता व स्वास्थ्य दोनों को बनाए रख जा सकता है। देखा गया है कि जिस परिवार मे व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण किया गया उस परिवार के लोगों का स्वास्थ्य उतम रहा है। शौचालय होने से हमारे आस– पास गंदगी नही रहती । इस ग्राम पंचायत मे कुल 850 परिवारों मे व्यक्तिगत शैचालयों का निर्माण किया जा चुका है। सराहन चूंकि पर्यटक की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण जगह है तथा शिक्षा,सड़क, स्वास्थ्य व बिजली,पानी जैसी मूल भूत जरूरतों का यहां सुदृढ़ीकरण बेहतर तरीके से कई अन्य ग्राम पंचायतों से काफी पूर्व ही हुआ है। बागवनी के साथ–2 कई परिवार तृतयक व्यवसाय भी करते है। इसलिए जयादातर घरों मे पहले से ही निज़ी शौचालयों का निर्माण हो चुका था। परन्तु अभी भी कुछ परिवार ऐसे थे जो गरीब थे तथा शैचालयों का निर्माण करवाने मे असमर्थ थे। ऐसे परिवारों की कुल संख्या 77 थी । ग्रांम पंचायत ने उन्हे सरकार द्वारा व्यक्तिगत शौचालयों को दी जा रही अनुदान के लिए नामित किया। जिस कारण अब उनके घरों मे भी शौचालय बन गए है। खास बात यह है कि इस पंचायत मे लोगों द्वारा कच्चे व सूखे शैचालयों की जगह पक्के व फलैश शौचालयों का निर्माण किया गया है।

स्कूलों मे शौचालयों का निर्माण करनाः– इस पंचायत के अन्तर्गत आने वाले स्कूलोंजैसे कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराहन, राजकीय माध्यमिक पाठशाला बौण्डा तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला सराहन,कलै,बौण्डा ,नवारू,रांवी,नानण तथा डवारच मे पक्के शैचालयों का निर्माण किया जा चुका है। हर स्कूल मे कूड़दान की पंचायत की तरफ से व्यवस्था की गई है।

(पंचायत मे एक जागरूकता शिवर मे स्वच्छता सम्बन्धी जानकारी देती खण्ड समन्वयक रंज्जू मैहता)

ताकि स्कूलों के आस–पास स्वच्छता को बनाए रखा जा सके। स्कूल प्रबन्धन को यह सुनिश्चित करने को पंचायत द्वारा विशेष हिदायत दी गई है कि सुबह की प्राथना सभा मे कम से कम सपताह मे एक बार स्वच्छता सम्बधी कार्यक्रम रखें। चूंकि हर स्कूल का मुख्या ग्रामीण स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कमेठी का सदस्य है इसलिए बैठक मे प्रधान महोदय द्वारा इस बात पर ज़ोर दिया जाता है कि स्कूलों मे स्वच्छता को लेकर कोई कोताही न बरती जाए। यदि हम बच्चों को स्वच्छता के बारे में जागरूक करवाने मे सफल हो गए तो निकट भविष्य मे इसके सार्थक परिणाम होंगे। इसी कड़ी मे उप मण्डल व जिला स्तर पर मिलने वाले पुरस्कार भी इस पंचायत के स्कलों को मिल चुके है।

राजकीय प्राथमिक पाठशाला कलै, राजकीय प्राथमिक

पाठशाला डवारच ने स्वच्छता के मानदण्ड के लिए विभिन्न पुरस्कार जीते है।

(खण्ड विकास अधिकारी रामपुर श्री बुध राम जी पंचायत मे स्वच्छता पर एक जागरूकता शिवर की अध्यक्षतत करते हुए)

<u>पंचायत क्षेत्र मे स्वच्छता के ढांचे को सुदृिढ़ करना</u> :– ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र मे स्वच्छता के आधर भूत ढ़ाचे को मज़बूत करने के लिए धन राशी का पंचायत की जनसंख्या के हिसाब से आंवटन किया जाता है। ताकि पंचायत ज़रूरत के हिसाब से निर्माण कार्यों पर व्यय कर सके।

(पंचायत क्षेत्र मे जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए लगे संदेश बोर्ड)

इसी कड़ी मे पंचायत को मु0 20 लाख रू0 की आवटिंत होने वाली राशी मे मु0 2लाख रू0 की राशी पंचायत को प्राप्त हो चुकी है। पंचायत द्वारा उस राशी से निर्माण डरेनेज राजबावड़ी से रतन चन्द के घर तक एक शनदार डरेनेज़ का निर्माण किया जा चुका है।

(NBA मद से निर्मित निर्माण डरेनेज राजबावड़ी से रतन चन्द हाउस वर्ष 2013–14)

इस के बन जाने से सराहन बाजार का पानी अब इधर–उधर लोगों के घरों मे नही फैलता है। शेष 18 लाख रू0 की राशी की कार्य योजना राशी सवीकृति के लिए उच्च अधिकारियों को भेज रखी है। राशी के

स्वीकृत होते ही हर गांव मे रसोई व सनानागार के अपश्ष्टि पानी के उचित प्रबन्धन के लिए डरेनेज़ तथा सोक पिटस का निर्माण किया जाएगा।

लोगों को जागरूक करना तथा दोषी व्यक्ति कों दण्डित करने की व्यवसथा करना :– ग्राम पंचायत विभिन्न माध्यमों से स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए आम ज़न को जागरूक कर रही है। पंचायत द्वारा सराहन जाने वाली सड़क के साथ–2 सवच्छता को दर्शाने वाले साईन बोर्ड लगा रखे है। साथ ही उन लोगों के लिए हिदायतें भी है जो पंचायत क्षेत्र मे गंदगी फैलाने का कार्य करते है।

(ग्राम सभा बैठक मे भाग लेते ग्राम सभा सदस्य)

ग्राम सभा मे प्रस्ताव पारित कर सर्वजनिक जगह मे कूड़ाकर्कट फैलाना कानूनन अपराध घोषित किया गया है। स्वच्छता की सिथिति की समीक्षा के लिए पंचायत स्तर पर हर माह बैठक का प्रधान महोदय की

अध्यक्ष्ता मे आयोजन किया जाता है। बेहतर कार्य प्रबंन्धन व पंचायत सतर पर स्वचछता की सिथिति को बनाए रखने के लिए ग्राम पंचायत सराहन को वर्ष 2008–09 मे महारिषि बालमिकि स्वच्छता पुरसकार व वर्ष 2010 मे निर्मल ग्राम पुरस्कार से

पंचायत को पुरस्कृत किया जा चुका है। विकास एक निरन्तर प्रकृया है। मनुष्य जैसे–2 सभ्यता के मार्ग पर आगे बढ़ता रहता है विकास के मायने भी बदलते रहते है। विकास का अभिप्राय इनसानियत की पराकाष्ठा की ओर लोकतांत्रिक तरीके से अग्रसरता व ऐसे समाज की कल्पना है जहां ज़रूरत आखरी उस व्यक्ति तक बिना किसी भेद भाव के पहुंचे जो वास्तव मे उसका सही हकदार है। यह सब जन सहभागिता के बिना नामुमकिन है। क्योंकि न्याय व समानता की स्वच्छता जब आंतरिक निर्माल विचारों मे होगी तभी बहाय सवच्छता सवयंमेव ही सार्थक होगी। ग्राम पंचायत इसी मूल मंत्र के साथ कार्य करने को कृतसंकलप है।